हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 26 मई 2025

तापमान
अधिकतम 38 .3 डिग्री
न्यूनतम 18 .0 डिग्री

11 ग्रामीणों को उनके मौलिक अधिकारों और कानूनी ...

12 हिमालयी जल में भारी धातु प्रदूषण से बच्चों के स्वास्थ्य ...

लाढ़ौत रोड पर भरा पानी

सुखपुरा चौक पर गिरी दीवार

समरगोपालपुर में गिरा मोबाइल टावर

▶▶ 8 से 10 घंटे तक गायब रही बिजली, इन्वर्टर भी हुए बंद ▶▶ सोमवार को भी लगाए जाएंगे बिजली के खंभे

आंधी-तूफान और बारिश से भारी नुकसान, बिजली के पोल हाईवोल्टेज तार, मोबाइल टावर सहित सैकड़ों पेड़ टूटे

- कई घंटे तक 50 किलो मीटर रफ्तार से चली हवाएं
- बिजली निगम के कर्मचारियों को 24 घंटे तक काम करना पड़ रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

जिले में शनिवार की देर रात आए तेज तूफान और बारिश ने व्यवस्था को अस्त-व्यस्त कर दिया। तेज हवाओं और बारिश के कारण कई इलाकों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई। 8 से 10 घंटे के बाद बिजली आपूर्ति ठंप होने से लोग परेशान रहे। कई हिस्सों में लोग सुबह तक अंधेरे में परेशान होते रहे। सौ से ज्यादा पेड़ और 50 से ज्यादा बिजली पोल टूटने के कारण कई जगह आवागमन बंद हो गया। बिजली निगम के कर्मचारियों को 24 घंटे तक काम करना पड़ा। शहर में अधिकतर पोल लगा लिए गए हैं जबकि बाहरी एरिया में सोमवार को भी पोल लगाए जाएंगे। कई जगह अभी हाई वोल्टेज की तारें टूटी पड़ी हैं। तूफान की वजह से कहीं टिन शेड उड़ गए तो कहीं बड़े-बड़े होर्डिंग सड़कों पर आ गिरे। प्रशासन और बिजली विभाग की टीमें नुकसान का आंकलन करने में जुटी हुई हैं।

शिकायतों पर हो रही कार्रवाई

जिला प्रशासन ने लोगों से संयम बनाए रखने की अपील की है। बिजली निगम का कहना है कि सोमवार शाम तक सभी शिकायतों पर पूरी तरह से कार्रवाई हो जाएगी। लोगों को सहयोग करना होगा।

रोहतक। शीतल नगर में मकान का छज्जा और दीवार गिरी।

वर्कशाप का शेड गिरने से दबी कारें।

फोटो : हरिभूमि

सोनीपत रोड पर पांच जगहों पर टूटे पेड़

सोनीपत रोड पर पांच स्थानों पर पेड़ टूटकर सड़क पर गिर गए, जिससे सुबह 10 बजे तक ट्रैफिक बाधित रहा। वाहन चालकों को लंबा रास्ता अपनाना पड़ा। वहीं शीतल नगर में एक मकान की दीवार गिर गई। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

तार गिरने से शेड के नीचे दबी 14 गाड़ियां

जींद बाईपास पर हाईवोल्टेज की तार वर्कशॉप की टीन शेड पर गिर गई। इसकी वजह से 14 गाड़ियां शेड के नीचे दब गई। वर्कशाप में लाखों का नुकसान हुआ है। वर्कशाप संचालक प्रवीन ने बताया कि रात को आंधी आई तो हाई वोल्टेज तार टूट गई। तार टीन शेड में उलझ गए और वर्कशाप का शेड गिर गया। पड़ौसियों की भी एक टीन शेड गिर गई, जिससे नुकसान हुआ है।

लाढ़ौत रोड पर पेड़ गिरा, रास्ता बंद

आंधी के दौरान लाढ़ौत रोड पर केवीएम कॉलेज के पास बड़ा पेड़ टूट कर गिर गया। जिसकी वजह से रोहतक और दर्जनों गांवों की तरफ जाने वाला रास्ता बंद हो गया। रविवार शाम तक प्रशासन ने पेड़ कटवा कर रोड से हटाया और रास्ता खुलवाया। इसके अलावा कोर्ट के बाहर भी पेड़ गिरने से हादसा हो गया। मदवि परिसर में भी कई पेड़ गिर गए। वैश्य कॉलेज में पेड़ गिरने से हादसा हो गया। पीजीआई की तरफ जाने वाले मार्ग पर पेड़ गिरने से बिजली के तार टूट गए।

समरगोपालपुर में मकान की छत गिरी

निकटवर्ती गांव समरगोपालपुर में मकान की छत गिरने से बड़ा हादसा हो गया। वजीर ने बताया कि तूफान के दौरान रात को उनके मकान की छत गिर गई। गनीमत यह रही कि वह उस समय बाहर थे। उनका काफी नुकसान हो गया। प्रशासन से आर्थिक मदद की उम्मीद है। छत गिरने की वजह से गायों को भी शमशान घाट परिसर में ही बांधना पड़ रहा है।

कोर्ट के बाहर गिरा पेड़ और टीन

तेज आंधी से छत पर लगा टावर गिरा

सुखपुरा चौक पर एक मकान पर लगा हुआ मोबाइल टॉवर छत पर गिर गया। इसकी वजह से मकान की छत सहित इलेक्ट्रोनिक्स उपकरण खराब हुए हैं। हालांकि किसी को हादसे में चोट नहीं आई है लेकिन बड़ा हो सकता था। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह टॉवर करीब 20 साल पहले लगाया गया था। हादसे के समय तूफान आया हुआ था। टॉवर गिरा तो उन्हें लगा कि बिजली गिरी है। बाहर आकर देखा तो टॉवर गिर कर लटक रहा था।

आज होगा नुकसान का आंकलन

बिजली निगम को तूफान की वजह से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। शहरी क्षेत्र में करीब 13 खम्बे और तार टूट कर नीचे गिर गए। जिन्हें रविवार शाम तक कर्मचारियों ने ठीक कर दिया। इसके अलावा सब डिवीजन तीन में करीब 30 पोल क्षतिग्रस्त हुए हैं। यहां बिजली की तार टूटने के साथ-साथ दो ट्रांसफार्मर टूट गए। ग्रामीण क्षेत्रों में और ज्यादा नुकसान हुआ है। जहां सोमवार शाम तक मरम्मत कार्य जारी रहेंगे। बिजली निगम पूरे जिले में हुए नुकसान की रिपोर्ट तैयार कर रहा है।

इस बार 10 हजार हेक्टेयर में बाजरा, 20 में ज्वार, 12में कपास और 50 हजार में होगी धान रोपाई

मौसम में अचानक बदलाव, खरीफ की बिजाई लायक हुई बरसात, कल से 29 तक फिर उम्मीद

अमरजीत एस गिल ▶▶ रोहतक

नहरी पानी के अभाव में किसानों के सामने खड़ी हो रही थी दिक्कतें

पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने पर शनिवार-रविवार की रात समूचे जिले में इतनी बरसात हुई कि अब किसान खरीफ की बिजाई कर सकते हैं। जिला राजस्व विभाग द्वारा जारी किए बुलेटिन के मुताबिक रोहतक खंड में 18, महम में सबसे ज्यादा 49, कलानौर में 36 और सांपला और लाखनमाजरा ब्लॉक में 20-20 एमएम बारिश हुई। नहरी पानी के संकट की वजह से बिजाई करने में किसानों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। नहरों में डिमांड से एक तिहाई पानी की आपूर्ति सिंचाई विभाग नहीं दे पा रहा था। जिससे किसानों को फसलों की बिजाई के लिए पानी उपलब्ध नहीं हुआ। और फसलों की बिजाई प्रभावित हुई। लेकिन अब बरसात होने से किसानों को बड़ी राहत मिली है। जिले में इस बार 10 हजार हेक्टेयर में बाजरा, 20 में ज्वार और 12 हजार में कपास बिजाई का लक्ष्य सरकार ने निर्धारित किया हुआ है। धान की रोपाई 50 हजार हेक्टेयर करवाई जानी है।

27 से 29 मई तक एक और वर्स्टन डिस्ट्रबेंस

शुक्रवार को जारी किए पूर्वानुमान के मुताबिक प्रदेश में 27 से 29 मई तक एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है। इस दौरान कुछेक स्थानों पर अच्छी बारिश होने की जानकारी कृषि विश्वविद्यालय की तरफ से दी गई है। अगर अच्छी बरसात होती है तो इसका किसानों को जहां काफी लाभ होगा। वहीं आम आदमी को भी भंयकर गर्मी से कम से कम दो-तीन दिन के लिए राहत मिलेगी। हालांकि अभी लू जारी रहने के काफी दिन शेष हैं। अगर जून मध्य में प्री मानसून की बरसात होती है तो भी अभी लू चलने के 20-22 दिन शेष हैं। हालांकि राज्य में मानसून जून के अंतिम दिनों में ही पहुंचता है। तब तक सूरज आग उगलता रहता है। कई बार तो ऐसा भी होता है कि मानूसन की देरी पर जुलाई के प्रथम सप्ताह तक भी लू लोगों को झुलसाकर रख देती है।

मौसम ने ऐसी मारी पलटी

बीते शुक्रवार को चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार के मौसम विज्ञान विभाग ने पूर्वानुमान जारी किया था कि राज्य में 26 मई तक मौसम साफ रहेगा। ये भी बताया गया था कि तापमान में बढ़ोतरी होने की पूरी आशंका है। पश्चिमी हवाएं चलने की जानकारी दी गई थी। कहा गया था कि लू भी चलेंगी। लेकिन शनिवार शाम को सवा आठ बजे एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी की तरफ से एक और फोरकॉस्ट जारी किया गया। जिसमें बताया गया कि उत्तर हरियाणा,पश्चिमी हरियाणा और जींद में अगले तीन घंटे में कहीं-कहीं धूलभरी हवाएं या आंधी व छिटपुट बूंदाबांदी होगी। इसके बाद एक और पूर्वानुमान रात दस बजकर 54 मिनट पर इश्यू किया गया। जिसमें बताया गया कि रोहतक समेत उत्तरी और पश्चिमी हरियाणा के जिलों में अगले तीन घंटे में धूल भरी आंधी और छिटपुट बूंदाबांदी या हल्की बरसात होगी।

महम पर ज्यादा मेहरबानी

पूर्वानुमान के मुताबिक शनिवार रात बारह बजे से पहले ही रोहतक व आसपास के क्षेत्रों में 60-65 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चली। इसके बाद बरसात का दौर शुरू हुआ। महम ब्लॉक में सबसे ज्यादा 49 मिलीमीटर, रोहतक में सबसे कम 18, सांपला और लाखनमाजरा खंड में एक समान 20 और कलानौर में 36 एमएम पानी बरसा। इतनी बरसात से किसान ज्वार-बाजरा समेत खरीफ की किसी भी फसल की बिजाई कर सकते हैं। मई का अंतिम सप्ताह शुरू हो चुका है। ऐसे में अब किसान धान की पनीरी की बिजाई कर सकते हैं। क्योंकि पनीरी तैयार होने में कम से 20-25 दिन लगते हैं। जब तक पनीरी तैयार होगी तब तक 15 जून भी बीत जाएगी। क्योंकि 15 से पहले प्रदेश में धान की रोपाई नहीं की जा सकती है।

रोहतक। ई-रिक्शा में व्यक्ति का शव। फोटो : हरिभूमि

बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी के पास ई-रिक्शा में मिली अज्ञात व्यक्ति की लाश, पहचान नहीं हो पाई

- शव की तलाशी में कोई पहचान पत्र या दस्तावेज नहीं मिला

रोहतक। बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी से कुछ दूरी पर एक ई-रिक्शा में अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। यह ई-रिक्शा रिक्शा चालक का ही बताया जा रहा है, हालांकि अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। घटना की सूचना मिलते ही थाना आईएमटी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। शव की तलाशी लेने पर उसके पास से कोई पहचान पत्र या दस्तावेज नहीं मिला, जिससे उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और आस-पास के क्षेत्रों में मृतक की पहचान के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि घटना के कारणों और समय का पता लगाया जा सके।

रोहतक। कार्यक्रम को संबोधित करते शिक्षा मंत्री ढांडा।

महिपाल ढांडा का कांग्रेस पर हमला, मंदबुद्धि लोग कुछ भी बोल रहे

रोहतक। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में पहुंचे शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने रविवार को कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग मंदबुद्धि है, जो हर अच्छे काम पर सवाल खड़े करते हैं। जयशंकर को जयचंद कहने के सवाल पर महिपाल ढांडा ने कहा कि राहुल गांधी कुछ भी बोल सकते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि वीरांगनाओं को लेकर राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा का बयान व्यक्ति है। उसे पार्टी का बयान नहीं समझना चाहिए। महिपाल ढांडा ने कहा कि जब बांग्लादेश को बनाया था, उस समय इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थी। उस समय अटल बिहारी वाजपेयी ने इंदिरा गांधी से कहा था कि तुम दुर्गा का रूप हो। दुर्गा बनकर आगे बढ़ों, हम आपके साथ है। दल बाद में है, देश पहले है और आगे बढ़कर इन लोगों को खदेड़ने का काम करो। महिपाल ढांडा ने कहा कि भारत को नए आयामों को छूना है और पहले भी छूता रहा है।

खबर संक्षेप

86 लोगों के स्वास्थ्य की हुई जांच

रोहतक। श्री लाल नाथ हिंदू कॉलेज की वाईआरसी एवं एनसीसी इकाई द्वारा मानसरोवर पार्क में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में पोजीट्रोन हॉस्पिटल के डॉक्टर्स की टीम ने लोगों के स्वास्थ्य की जांच की। इस दौरान ईसीजी, ब्लड प्रेशर एवं शुगर की जाच भी की गई। प्राचार्य डॉ. अनिल तनेजा ने बताया कि शिविर में 86 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई। मरीज़ों को निःशुल्क दवाई भी उपलब्ध करवाई गई।

गोयल क्लब ने वन डे सीरीज जीती

रोहतक। वीटीआई क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए भारती गोयल वन डे सीरीज (फाइनल) मुकाबले में गोयल क्रिकेट क्लब ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए भारती क्रिकेट एकेडमी को 112 रनों से पराजित कर खिताब अपने नाम कर लिया। भारती क्रिकेट एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए गोयल क्रिकेट क्लब ने 40 ओवर में 8 विकेट खोकर 267 रन बनाए। टीम की ओर से नमन ने तूफानी अंदाज में नाबाद 91 रन (47 गेंद, 4 चौके, 7 छक्के) बनाए, वहीं रविश दलाल ने 76 रन और आकाश जलवाल ने 41 रन की उपयोगी पारी खेली। प्रतीक भांकर को सीरीज का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज चुना गया।

सांसद जांगड़ा के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग

रोहतक। अखिल भारतीय किसान सभा की राज्य कमेटी ने राज्यसभा सांसद रामचन्द्र जांगड़ा द्वारा गत शनिवार को दिए बेहुदा और सामाजिक रूप से ओछे बयान की निन्दा की है। भिवानी में एक कार्यक्रम में भाजपा सांसद जांगड़ा ने पहलगाम में शहीद हुए निर्दोष व्यक्तियों की विधवाओं के बारे में ऐसी घोर अपमानजनक टिप्पणियां की हैं, जिनसे समूचे समाज का सिर झुक गया है।

स्वास्थ्य शिविर में 312 लोगों ने करवाई जांच

रोहतक। शिवम एन्क्लेव वेलफेयर सोसाइटी द्वारा रविवार को एक निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस शिविर का उद्घाटन वरिष्ठ भाजपा नेता रमेश भाटिया ने किया। स्वास्थ्य शिविर में खुराना आई सेंटर तथा वी केयर हॉस्पिटल, रोहतक की विशेषज्ञ टीमों ने सेवाएं प्रदान कीं। नेत्र विशेषज्ञ डॉ. एसपीएस भाटिया, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. पुष्कर, तथा दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. रमनीक भाटिया ने अपनी टीम के साथ मिलकर आंखों, कान, नाक, गले और दांतों की जांच की। शिविर में कुल 312 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई।

रोहतक। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी। फोटो : हरिभूमि

सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी में टीम एफ प्रथम

रोहतक। आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल बड़ा बाजार में विद्यार्थियों की ज्ञान एवं कौशल को बढ़ाने के लिए सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता करवाई गई, इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इसमें छह टीमें बनाई गई। जिनमें टीम एफ ने प्रथम स्थान हासिल किया। आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल के मुख्याध्यापक भूपेंद्र सिंह सोलंकी, कृष्णा आहूजा, सुमन, रितु शर्मा आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि

रोहतक, सोमवार, 26 मई 2025

भले ही उसके पास रात को रुकने का कोई ठिकाना न था परन्तु वह खुश था। खाली समय में वह खेतों की ओर निकल जाता। जहाँ किसान उसे कुछ काम दे देते और बदले में खाना भी खिला देते। ऐसे ही एक किसान पॉल विच से उसकी घनिष्ठता बढ़ने लगी। एक दिन पॉल विच ने कहा कि कपिल मेरे पास दो कमरे हैं। यदि कभी आवश्यकता हो तो तुम रुकने आ सकते हो।

कहानी

आशा खत्री 'लता'

जीवनदान

विदेशी धरती पर समुद्र के किनारे बसे इस सुन्दर नगर की दूर तक फैली बीच पर यूँ ही घूमते हुए उसे कई दिन बीत चुके थे। मगर उसे अभी तक एक भी ऐसा चेहरा नहीं मिला था जिस पर उसे अपने लिए कुछ अपनत्व भाव दिखाई दे। अधिसंख्य गोरे और कुछेक मुस्लिमों की भीड़ में उसे कोई भारतीय नहीं दिखाई दिया। गोरी चमड़ी वाली औरतें मात्र अंतःवस्त्रों में ही काला चश्मा लगाये इधर-उधर पसरी पड़ी या किसी मर्द की बाँहों में बाँहें डालकर घूमती दिखाई देती। सर्दियों की दोपहर को यहाँ धूप सेंकना सूर्य स्नान कहलाता है। छोटे-मोटे कार्य के अतिरिक्त उसे कुछ करने को अभी तक नहीं मिला। वह, वह पाना चाहता है जिसके लिए वह अपना देश, अपना घर और अपना परिवार छोड़कर यहाँ आया है। और यह पाने को उसका भाग्य कब चमकता है उसे उसी की प्रतीक्षा भी है और खोज भी।

उसे यहाँ आये आज एक सप्ताह हो गया समझ नहीं पा रहा कि क्या किया जाये जिससे उसके गुजारे के साथ-साथ कुछ रुपये बचाकर वह घर भी भेज सके। तभी उसे एक दढ़ियल प्रौढ़ ने पुकारा - "हे जैन्टलमैन, माला लेंगे।" कहते हुए मालाओं से लदा हाथ उसने उसके आगे कर दिया। जेब के पैसे खत्म हो जाने का डर उन सुन्दर रंग-बिरंगी मालाओं के आकर्षण से बहुत बड़ा था तो दूसरी ओर मालाओं का आकर्षण भी कम नहीं था। उसे ऊहापोह में छोड़ दढ़ियल ने पास से गुजरती एक महिला की तरफ बढ़ते हुए कहा-"हे मैम, देखिये कितनी सुन्दर माला! आपके गले में सजकर तो ये और भी सुन्दर लगेगी।" वह आगे बढ़ती-बढ़ती ठिठक गयी। रंगीन पारदर्शी पत्थरों की उन मालाओं के साथ-साथ मालावाले की मधुर स्वरलहरी और नारी सौन्दर्य की प्रशंसा करती वाणी ने उसके कदम रोक लिये थे।

"ये कितने की है?" उस महिला ने कई मालाओं में से एक को छूते हुए कहा।

"केवल दो सौ रुपये की परन्तु आपकी खूबसूरत गर्दन के लिये एक सौ पचहत्तर की मैम।"

"नहीं-नहीं एक सौ पचास में देनी है तो दीजिए।"

दढ़ियल ने तत्काल माला निकालकर उसे पकड़ा दी और महिला पैसे निकालकर उसे थमा चुकी थी। दढ़ियल उसे एक तरफ छोड़ घूमते हुए माला बेच रहा था। कपिल को लगा कि यह काम तो बड़ा आकर्षक है। इसमें सामान के साथ-साथ मधुर स्वर और सौन्दर्य के नये-नये उपमानों के लिये काफी स्थान है। रात भर वह इस विषय पर सोचता रहा। अगले दिन बीच पर घूमते हुए वह माला वाले को ढूंढ़ता रहा। दोपहरी ढलने लगी थी कि उसे वह दिखाई दे ही गया। जहाँ चाह वहाँ राह की उक्ति को दोहराता हुआ कपिल लम्बे डग भरता हुआ उसके पास पहुँच गया।

"माला दिखाओ" वह मुस्कुराते हुए बोला।

दढ़ियल ने भी मुस्कुराते हुए हाथ आगे बढ़ा दिया। एक सुन्दर सी माला उठाते हुए उसने मूल्य पूछा।

"तीन सौ रुपये" दढ़ियल ने कहा।

"दो सौ में दे सकते हो तो दे दो" कपिल ने कहा।

"नहीं" कहते हुए वह आगे बढ़ने लगा।

"रुको, लो, तीन सौ रुपये और माला दो।"

दढ़ियल ने प्रसन्नता से रुपये थामते हुए माला उसे पकड़ा दी।

"बहुत ही सुन्दर है।" कहते हुए कपिल बात को आगे बढ़ाने की गर्ज से मुस्कुराया।

"वो तो है"

"कहाँ से खरीदते हो"

"सुपर मार्किट से" कहते हुए दढ़ियल आगे बढ़ने को हुआ तो कपिल ने उसे रोकते हुए कुछ और भी बातें की।

अगले दिन ही सुपर मार्किट से कुछ मालाएं खरीदकर वह भी बीच पर घूमने लगा। उसकी मुस्कुराती आँखें, मीठी वाणी और जादुई शब्दों का प्रभाव कि कुछ महिलाओं ने तुरन्त मुँह मांगे दाम पर मालाएं ले ली। जेब गर्म होते ही वह कुछ फल खरीदकर खाने लगा। पास में ही खेल रहे एक बच्चे को मुस्कुराते हुए उसने बड़े लाड़ से एक सेब प्रस्तुत किया। जिसे बालक बिना किसी ना नुकर के लेकर उसके पास बैठ खाने लगा। वह खुश था। आज का दिन कितना अच्छा है उसके लिए, उसका काम भी शुरू हो गया और इस बच्चे के रूप में उसे एक साथी मिल गया। भले ही बीच पर कुछ पल के लिए ही सही। बालक कुछ ही देर में उससे घुल-मिल गया उसने अपना नाम ईवान बताया।

अब कपिल का धन्धा चल निकला और ईवान के साथ दोस्ती भी। वह हर रोज की कमाई प्रातः स्थानीय बैंक में जाकर जमा करवा देता और सप्ताहांत में उसे पिता के खाते में भेज देता।

भले ही उसके पास रात को रुकने का कोई ठिकाना न था परन्तु वह खुश था। खाली समय में वह खेतों की ओर निकल जाता। जहाँ किसान उसे कभी-कभार कुछ काम दे देते और बदले में उसे वोदका के साथ खाना भी खिला देते। ऐसे ही एक किसान पॉल विच से उसकी घनिष्ठता बढ़ने लगी। एक दिन पॉल विच ने कहा कि कपिल मेरे पास दो कमरे हैं। यदि कभी आवश्यकता हो तो तुम रुकने आ सकते हो।

"मैं तो आज ही आ जाता हूँ।" कपिल ने कहा। अन्धा क्या चाहे दो आँखें, मन की इच्छा पूरी हो रही थी। अब उसने पॉल विच के कमरे में रात का ठिकाना जमा लिया। दिन भर समुद्र किनारे सैलानियों को मालाएं व पत्थर बेचने और प्रातः सांय पॉल विच के खेतों में काम करते उसे लगता जैसे वह अपने गाँव के खेतों में, अपने गाँव की मिट्टी से मिल रहा है। अपने गाँव से हजारों किलोमीटर दूर कई समन्दर पार इस शीत प्रदेश में जीवन बहुत कठिन तो था परन्तु कठोर नहीं लग रहा था। पॉल विच जो आयु के लगभग पचहत्तर वर्ष पार कर चुका था, एक संरक्षक के रूप में उसके सिर पर था। वह अपनी जवानी में एक पहलवान था, फिर प्रदेश सरकार में मन्त्री बना और अब किसान बनकर अपना वार्धक्य बिता रहा था। खेत में काम करने के बाद नित्य वोदका का सेवन करते हुए पत्नी के हाथ का स्वादिष्ट खाना उसके साथ-साथ कपिल को भी मिलने लगा था। पॉल विच की पत्नी एक सुघड़ गृहिणी के साथ एक वात्सल्यमयी स्त्री थी।

परन्तु जिन्दगी इतनी भी सरल कहाँ होती है जितनी आजकल कपिल को लग रही थी। हुआ यूँ कि पॉल विच की एक रिश्तेदार अपने दो बच्चों के साथ उसके पड़ोस में रहने आ गयी। वह स्वभाव से ही एक झगड़ालू और कर्कश स्वर वाली स्त्री थी। पॉल विच और कपिल की मित्रता उसे चुभती थी। कपिल उसे कतई घास नहीं डालता था। वह प्रयास भी करती तो कन्नी काट जाता।

ऐसी ही एक प्रातः जब कपिल पॉल विच के खेत में कार्य में जुटा था, तब वह आई और उस पर डोरे डालने का प्रयास करने लगी-

"प्यारे कपिल, तुम कितना काम करते हो।"

"प्रिय ओल्गा, क्या करूँ, मैं यहाँ काम ही तो करने आया हूँ।"

"क्या हम मित्र बन सकते हैं प्रिय कपिल।"

"ऐसा कैसे सम्भव है झगड़ालू ओल्गा।"

कपिल मुस्कुराया।

"मैं तुमसे तो नहीं ही झगडूंगी प्रिय कपिल"

"लेकिन मैं तो तुम जैसी कर्कशा से बात करना भी पसन्द नहीं करता। मुझे तो कोई मधुर स्वर वाली सुकुमारी ही आकर्षित कर सकती है झगड़ालू ओल्गा। अब तुम जाओ, नहीं तो तुम्हारी यह बेशर्मी मैं पॉल विच को बता दूँगा।"

कुछ दिन ही बीते थे कि अवसर पाकर फिर ओल्गा कपिल का हाथ थाम प्रणय निवेदन करने लगी। कपिल ने हाथ छुड़ाने का प्रयास किया तो वह उसका गाल चूमने को बढ़ी। उसके इस प्रयास को कपिल ने उसे धक्का देकर गिराते हुए विफल कर दिया। कर्कश ओल्गा इस अपमान से और भी खूंखार हो उठी।

कपिल के मुँह से अपने लिए ऐसी उपेक्षापूर्ण बातें सुनकर वह पैर पटकती हुई चली गयी। कपिल ने तो पॉल विच को कुछ नहीं बताया पर जैसा कि उसे अन्देशा था कि ओल्गा ने पॉल विच को अपने हिसाब से कपिल के दुर्व्यवहार की शिकायत की। पॉल विच ने दुनिया देखी थी और कपिल के सद्व्यवहार को वह जानता था। ओल्गा के चरित्र की भी भनक उसे थी। अतः उसने कपिल से इस विषय में कुछ विशेष नहीं कहा।

कुछ दिन ही बीते थे कि अवसर पाकर फिर ओल्गा कपिल का हाथ थाम प्रणय निवेदन करने लगी। कपिल ने हाथ छुड़ाने का प्रयास किया तो वह उसका गाल चूमने को बढ़ी। उसके इस प्रयास को कपिल ने उसे धक्का देकर गिराते हुए विफल कर दिया। कर्कश ओल्गा इस अपमान से और भी खूंखार हो उठी। उसने अपने पति, जो दूसरे शहर का माफिया डॉन था को, कपिल पर दुराचार के प्रयास का आरोप लगाते हुए रो-रोकर शिकायत की। उसके पति जिसके लिए मारपीट, हत्या जैसे जुर्म सामान्य बात थी, ने कुपित होकर कपिल की सुपारी स्थानीय माफिया डॉन दुश्चेव को दे दी।

दुश्चेव ने उसी दिन अपने एक गुण्डे को कपिल को शाम तक अपने पास उपस्थित करने का आदेश दिया। उस गुण्डे ने माला बेचते हुए कपिल को धर पकड़ा और शाम को अपने बॉस दुश्चेव के सामने उसके अड्डे पर उपस्थित होने का हुक्म चेतावनी भरे भयभीत कर देने वाले लहजे में दिया। कपिल भले ही कई महीने यहाँ रहते हुए पॉल विच की छत्रछाया में स्वयं को सुरक्षित अनुभव करने लगा था। वह हर शाम बीच पर व्यवसाय करने के लिए एक निश्चित राशि स्थानीय माफिया के कारिन्दे को भी देता था। परन्तु मारपीट, हत्या आदि से वह अभिज्ञ था। अतः सांय को जब वह बताये गये ठिकाने पर पहुँचा तो उसने ईवान को भी वहीं खेलते हुए पाया। उसे देखते ही ईवान चिल्ला पड़ा-

"भइया कपिल! भइया कपिल" और दौड़कर उससे लिपट गया। फिर उसका हाथ खींचते हुए अपने पापा के पास ले गया-

"पापा देखा कपिल भइया जिनके बारे में मैं आपको बताता हूँ। आज ये मुझसे मिलने आये हैं। मैं इनके लिए भी माँ से खाना बनवाता हूँ। आज ये यहीं खाना खायेंगे"

"हाँ, हाँ जाओ ईवान अपनी माँ से कपिल के लिए भी खाना बनाने के लिए कहो। उन्हें बताओ तुम्हारे कपिल भइया आये हैं।"

ईवान के अन्दर जाते ही दुश्चेव ने कपिल को सम्बोधित करते हुए कहा-

"तो तुम पॉल विच के यहाँ रहते हो?"

"जी" कपिल ने थूक सटकते हुए कहा।

"मैं कल उनसे मिलूँगा और उन्हीं से बात करूँगा। अब तुम जा सकते हो, ईवान को मैं समझा दूँगा।"

दुश्चेव की ठहरी हुई कड़क आवाज और भावहीन चेहरे ने तो कपिल के शरीर में सिहरन दौड़ा दी। परन्तु ईवान उसके लिए देवदूत बनकर आया था। जान बची और लाखों पाये। दुश्चेव के कहते ही वह तेज कदमों से खिसक लिया। इस विदेशी धरती पर उसका कौन था जो उसके लिए कुछ करता। वह लगभग दौड़ते हुए अपने ठिकाने पर पहुँचा। अगले चौबीस घण्टे उसके लिए बहुत ही चिन्ताजनक थे, जब तक कि दुश्चेव पॉल विच से मिलकर सारा मामला क्या था, न बता ले।

अगली शाम जब खेत पर दो घण्टे कठोर श्रम के उपरान्त कपिल वापस आया तो दुश्चेव पॉलविच से मिलकर जा चुका था। पॉल विच ने मुस्कराते हुए कपिल का स्वागत किया और वोदका का गिलास पेश करते हुए कहने लगा-

"दुश्चेव आया था। उसे ओल्गा के पति ने तुम्हारी सुपारी दी थी। पर तुम किस्मत के धनी निकले कि ईवान तुम्हें बड़ा भाई मानता है और यही बात तुम्हारे पक्ष में गयी। खैर, ओल्गा को उसके पति ने वापस बुला लिया है। तुम मेरे कमरे में यथावत रह सकते हो।" कपिल कुर्सी पर जड़ हुआ बैठा था। आज वोदका भी उसकी ठिठुरन को दूर न कर सकी। वह समझ नहीं पा रहा था कि यह कंपकंपी डर की है या ठण्ड की। अपनी सुपारी और दो माफिया से उसकी दुश्मनी का यह प्रसंग उसे भीतर तक सिहरा गया। लेकिन दूसरी ओर ईश्वर में उसकी आस्था और प्रगाढ़ हो गयी। एक नन्हें बालक को प्रेम से खिलाये कुछ फल, उसके साथ बिताये कुछ पल उसे जीवनदान दे गये थे।

पुष्पलता आर्य

वर्जना में सर्जना

वर्जना में सर्जना की लीक पकड़े चल रहे हैं
नींद की अवमानना कर स्वप्न सच्चे पल रहे हैं

चीर कर पत्थर युगों के बह रहे उन्मुक्त धारे
कब समय के निर्झरों को बाँध पाए हैं किनारे
बाँध कितने बंधनों के हाथ अपने मल रहे हैं
वर्जना में सर्जना....

कंटकों के दंश कुसुमों ने सहे हैं मुस्करा कर
रात काटी है सितारों ने अंधेरी जगमगा कर
विषधरों के पाश में लिपटे हुए संदल रहे हैं
वर्जना में सर्जना की ..

रुख हवाओं का बदलने की मिली जिनको कुशलता
किंकिरी बनकर उन्हीं के चल पड़ी पीछे सफलता
धार के विपरीत जो बहते रहे अव्वल रहे हैं
वर्जना में सर्जना की ..

श्वास सूली पर चढ़े थे और छलना मुस्कराई
लाख सच ने कष्ट झेले कौनसी पीड़ा न पाई
जो खिले दलदल के तल पर वे कमल का दल रहे हैं
वर्जना में सर्जना की...

मेघ बरसें या न बरसें चातकों ने हठ न त्यागा
प्यास थी पर भूमि से दो बूंद पानी भी न माँगा
या हुई पूरी प्रतिज्ञा अन्यथा निर्जल रहे हैं
वर्जना में सर्जना की ....

कृष्ण लाल 'गिरधर

मिशन सिंदूर

जग जाहिर है जंग हमारी देखो हमारे जांबाज।
पैर पकड़ ले पाकिस्तान, खैर नहीं है तेरी आज ।

पुलवामा ,पहलगाम में पाप किया है पाकिस्तान।
चुन चुन कर अब बदले लेता, देखो हमारा हिंदुस्तान।

भिखमंगा भिखारी मांग रहा दूजो से हथियार।
जितने भी दागे तूने, सबके सब कर दिये बेकार।

पूरा विश्व अब देख रहा ,तेरे बंकर अड्डों को।
अब आतंकी ढेर हो रहे, देखो उनके खड्डों को।

शांत प्रिया सेना हमारी,कभी ना युद्ध चाहती है।
तेरे जैसे बेशर्म देश को, सबक जरूर सिखाती है।

अब ना चूकेंगे अब ना रुकेंगे, पूरा हिसाब चुकाएंगे।
मेरे भारत वीर सेनानी आगे बढ़ते जाएंगे।

जिन बहनों का सिंदूर मिटा है, उनको न्याय दिलाएंगे।
चला 'मिशन सिंदूर' है अब जड़ से ही मिटाएंगे।
जय हिन्द, जय हिन्द की सेना।

साहित्यकार कृष्ण कुमार निर्माण का मानना है कि आधुनिक युग में भी निश्चित रूप से साहित्य की स्थिति सर्वोच्च बनी है, मगर सोशल मीडिया के दौर को थोड़ा चुनौती भी कहा जा सकता है। ऐसा भी नहीं है कि साहित्य के पाठकों में कमी आई है, बल्कि मुद्रित पुस्तकों के मुकाबले ऑनलाइन पाठ पठन कुछ ज्यादा हो गया है। असल में साहित्य वही है जो कालजयी हो और आम जनमानस की पीड़ा को प्रभावी तरीके से व्यक्त करता हो।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

सामाजिक उत्थान का माध्यम है साहित्य सृजन: कृष्ण कुमार

साहित्य जगत में लेखन केवल साहित्य संवर्धन ही नहीं है, बल्कि सामाजिक उत्थान में भी साहित्य की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ऐसा साहित्य सृजन करते आ रहे मूर्धन्य विद्वानों का भी मत है कि साहित्य के बिना समाज की कल्पना असंभव है। समाज को नई दिशा देने के मकसद से ही साहित्यकार अपनी विभिन्न विधाओं में लेखन करने में जुटे हैं।

ऐसे ही लेखकों में साहित्यकार कृष्ण कुमार निर्माण भी सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों को उजागर करके आलेख, कविताओं और सामयिक विषयों पर अपने रचना संसार को दिशा देने में जुटे हुए हैं। साहित्यकार एवं लेखक कृष्ण कुमार निर्माण का जन्म 15 जून 1975 को हरियाणा के सोनीपत जिले में गोहाना तहसील के गांव बरोदा में भूप सिंह निनानिया और रतनी देहड़ान के घर में हुआ। उनके परिवार में कोई साहित्यिक माहौल तो नहीं रहा, लेकिन पिता अक्सर उन्हें सांग दिखाने ले जाया करते थे, शायद इसी से प्रभावित होकर उनमें भी साहित्यिक व संस्कृति के प्रति रुझान बढ़ने लगा। स्कूल में शिक्षकों ने भी उनकी प्रतिभा को निखारने में सहयोग दिया। वह स्कूल में भाषण प्रतियोगिता, काव्य पाठ और अभिनय करते थे और इन सभी विधाओं में उसने पहला स्थान हासिल किया। उन्हें राज्य स्तर पर श्रेष्ठ अभिनेता और सर्वश्रेष्ठ कमंटेटर का खिताब भी हासिल हुआ है। बकौल कृष्ण कुमार, बचपन से ही सांग देखकर और अपने ताऊ जी को सुन-सुनकर साहित्य सृजन के लिए उनके लेखन की शुरुआत हुई। सबसे पहले तो हरियाणवी में रागनी लिखना शुरू किया। जब वह आठवीं कक्षा में थे तो उन्होंने अपनी पहली रचना लिखी, जिसे कई आध्यात्मिक कार्यक्रमों में भी गाया और उन्होंने उसे स्वयं भी सुना। इसी बीच निरंकारी मिशन द्वारा एक गीत संग्रह 'हर का भजन करया कर' प्रकाशित हुआ, जो कि पहली बार सार्वजनिक भी हुआ और फिर अखबारों में प्रकाशित हुआ। अखबारों में उनकी रचनाएं छपने के क्रम से उनका आत्मविश्वास बढ़ना स्वाभाविक भी था। जिसमें हिसार में उन्हें राज्य कवि उदयभानु हंस के साथ भी मंच पर कविता पढ़ने का अवसर मिला और यहीं से हिंदी में भी साहित्य लिखने का क्रम आगे बढ़ा। उन्होंने बताया कि उनके लेखन के क्रम ने गति पकड़ी और विभिन्न कवि सम्मेलनों में काव्य पाठ भी करते रहे। वहीं उनके कई साझा संग्रह भी आए, लेकिन एक मित्र ने कहा कि आप इतने दिनों से लिख रहे हो, अपना खुद का संग्रह लिखकर भी छपवाओ। इसके बाद उन्होंने हरियाणवी लघु कविताओं का संग्रह लिखा। जहां तक साहित्यिक सफर में परेशानियों का सवाल है उसके लेखन में कई बार आई, लेकिन ऐसी समस्याएं जल्द हल हो गई। एक ऐसा दिलचस्प किस्सा भी उस समय सामने आया, जब रेवाड़ी में वह अपना कविता पाठ करके मंच से नीचे उतर रहे थे तो युगदृष्टा बाबा हरदेव सिंह जी ने उनकी लिखी रचना को लिखित में मुझे मांगा, जिससे उनका उत्साह बढ़ना भी स्वाभाविक था। आज वह कविता, ग़ज़ल, लघुकथा, व्यंग्य, समसामयिक विषयों पर लेख लिख रहे हैं और कुंडली, लघुकविता, लघुकथा भी उनके साहित्यक साधना की विधाओं में शुमार हैं। उनके उनके साहित्य लेखन का फोकस जनपक्ष की व्यथा, जातिगत भेदभाव, किसानों की दुर्दशा और नारी अधिकार जैसे सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों पर ज्यादा रहा है।

उनके आलेख, कविताएं और रचनाएं देश की विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में भी अनवरत प्रकाशित होती रही हैं। वहीं हिसार दूरदर्शन से उनके काव्य की अनेक बार प्रस्तुतियां प्रसारित हो चुकी हैं। साहित्य और संस्कृति से दूर होती युवा पीढ़ी को लेकर इनका मानना है कि लेखकों द्वारा साहित्य तो ज्यादा लिखा जा रहा है, लेकिन उसमें गिरावट नजर आने लगी है और यह बहुत ही तकलीफदेह है कि आज साहित्य भी दो खांचों में बांटा जा रहा है।

इसके लिए खासतौर से युवाओं को साहित्य से जोड़ने के लिए स्कूल और कॉलेजों स्तर पर सहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यशालाओं को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। युवाओं को साहित्य के प्रति प्रेरित करने के लिए उनके स्तर और बदलते युग के साहित्य लेखन की जरूरत है।

प्रकाशित पुस्तकें

साहित्यकार कृष्ण कुमार की प्रकाशित पुस्तकों में हरियाणवी लघुकविता संग्रह 'बखत बखत के बोल', हिंदी आलेख संग्रह 'प्रसंगवश', काव्य संग्रह 'कविता के बहाने व शब्द बोलते हैं', हरियाणवी लघुकविता संग्रह 'घणा बदलग्गा यार जमाना', व्यंग्य संग्रह 'हल्के-फुल्के व्यंग्य', हरियाणवी कुंडली संग्रह 'मन के जालै', आलेख संग्रह 'संयोगवश' शामिल हैं। उनके साझा संग्रह में हरयाणवी गीत संग्रह 'हर का भजन करया कर', 'कविप्रिया', लघुकविता संग्रह 'हरियाणवी जिंदाबाद' आदि प्रमुख हैं।

कृष्ण कुमार निर्माण

पुरस्कार व सम्मान

हिंदी और हरियाणवी साहित्य में कविता, गजल, लघुकथा, व्यंग्य जैसी विधाओं में योगदान के लिए साहित्यकार कृष्ण कुमार निर्माण को अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। उन्हें 'हिंदी श्री' सम्मान, श्रेष्ठ साहित्यकार सम्मान, हरियाणवी साहित्य गौरव अवार्ड, श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान, साहित्य सभा कैथल व नेपाल की संस्था द्वारा पुरस्कारों से नवाजा गया है। वहीं कवि सम्मेलनों के मंचों पर भी उन्हें अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : कृष्ण कुमार निर्माण
जन्मतिथि : 15 जून 1975
जन्म स्थान : गांव व पोस्ट बरोदा, गोहाना, जिला सोनीपत,(हरियाणा)
शिक्षा : एमए (हिंदी), बीएड,एलएलबी, पत्रकारिता में डिप्लोमा
संप्रति : स्वतंत्र लेखन, कवि एवं शिक्षा विभाग हरियाणा में अधिकारी

क्रूर समय का दर्द बताता 'हस्ताक्षर तुम्हारे हैं'

कविता-संग्रह : हस्ताक्षर तुम्हारे हैं
लेखक : डॉ. कमलेश मलिक
मूल्य : 225 रुपये
प्रकाशक : न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन

पुस्तक समीक्षा

ब्रह्म दत्त शर्मा

वरिष्ठ लेखिका और पूर्व कॉलेज प्रिंसीपल कमलेश मलिक मूलतः कथाकार हैं लेकिन कवि के रूप में भी वे कम विख्यात नहीं हैं। यह कविता-संग्रह इसका जीता जागता प्रमाण है। पुस्तक में संकलित कविताओं में वर्तमान समय के लगभग सभी जरूरी मुद्दों या समस्याओं को बड़े पुरजोर तरीके से उठाया गया है। आमतौर पर कविता या कहानी की किसी एक ही किताब में इतने ज्यादा विविध विषय कम ही देखने को मिलते हैं। दूसरा, इन कविताओं की भाषा सहज व सरल है और कवयित्री ने कहीं पर भी अपनी बौद्धिकता का प्रदर्शन करने का अनावश्यक प्रयत्न नहीं किया है। तीसरा ये सभी कविताएं आम आदमी के जीवन से भी जुड़ी हुई हैं। इस संग्रह के शुरुआत में कई बेहतरीन ग़ज़लें हैं। एक बानगी के तौर पर देखिए---

लोग रहते हैं जहां बस सिर्फ रहने के लिए
बेशक मकां कह दो उसे घर तो हो नहीं सकता।
कहां तक जाएगी नफरत जगेगी एक दिन उल्फत
आखिर इंसां इंसां है पत्थर तो हो नहीं सकता।

ग़ज़ल के बाद उनकी कविताओं की बात करें तो वहां अलग-अलग कविताओं में अलग-अलग विषयों पर कलम चलाई गई है। "सखी के नाम" कविता में बिछड़ी सहेली को याद करती हैं-

मैत्री के रंग भला फीके कहां पड़े हैं
मैं देखती रही तुम्हें रंगीन तितलियों में।

बहुत सी कविताएं समसामयिक मुद्दों को लेकर भी हैं। उन्होंने किसान आंदोलन, महिला खिलाड़ियों का आंदोलन, महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ आंदोलन इत्यादि मुद्दों को भी खूब उठाया है।

वे इसी पर कहती हैं, एक महिला खिलाड़ी देश का झंडा फहराती है खेल के मैदान में फिर वही आंसू बहाती है न्याय के विधान में। संग्रह की शीर्षक कविता में उन्होंने मठाधीशों की क्या खूब खबर ली हैः हम कोल्हू के बैलों से बंधी आंखें चले मीलों मगर हमको मिला भूसा, कि गुड शक्कर तुम्हारे हैं। जीवन की नश्वरता भी उनकी लेखनी से छूटी नहीं है, कुछ मीठे खट्टे फलों का एहसास भर है यह जिंदगी तो चार दिन मधुमास भर है, इस मंच का परदा गिराने तलक ही तो कठपुतलियों के नाच का आभास भर है। अंत में इतना कहा जा सकता है कि कमलेश मलिक की कविताएं इस क्रूर समय को कागज पर उतारने में और पाठकों को सोचने पर विवश करने में सफल रही हैं। लेखिका कमलेश मलिक को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं।

खबर संक्षेप

साइकिल से दिया पर्यावरण व स्वास्थ्य का संदेश

रोहतक। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया के मार्गदर्शन में 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' अभियान पूरे देश में प्रत्येक रविवार को विभिन्न विभागों के साथ मिलकर आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य मोटापे से लड़ना, नागरिकों को फिट रखना और एक प्रदूषणमुक्त वातावरण को बढ़ावा देना है। इसी श्रृंखला में रविवार को भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) रोहतक में मीडिया के लिए एक विशेष साइक्लिंग इवेंट का आयोजन किया गया। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी संजीव सैनी ने कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि भाग लिया। इस आयोजन की सफलता में दलबीर, अमनप्रीत कौर, अमृतपाल और सोनम सिंह (साई रोहतक) की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम के दौरान फिटनेस का डोज, आधा घंटा रोज का संदेश प्रमुखता से दिया गया।

एमडीयू में कॉमर्स के कई कोर्स करियर को दे रहे नई उड़ान

चार वर्षीय बीकॉम पाठ्यक्रम देगा रोजगार के नए अवसर

पाठ्यक्रम में इंटर्नशिप, केस स्टडी, लाइव प्रोजेक्ट और सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनिंग को भी समाहित किया है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

छात्रों के लिए पाठ्यक्रम में 60 सीटें उपलब्ध

प्रो. राजपाल।

चार वर्षीय बीकॉम ऑनर्स डिग्री छात्रों को भविष्य में एमबीए, सीए, सीएस, सीएमए और अन्य पेशेवर कोर्स के लिए भी बेहतर आधार प्रदान करेगी। साथ ही, शोध कार्य में रुचि रखने वाले छात्र ऑनर्स विद रिसर्च ट्रैक के माध्यम से उच्च शिक्षा और अकादमिक क्षेत्र में भी कदम बढ़ा सकते हैं। महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय का यह अभिनव कदम न केवल रोजगार को बढ़ावा देगा, बल्कि युवाओं को एक व्यावसायिक और सशक्त भारत के निर्माण में भागीदार भी बनाएगा। इस पाठ्यक्रम में 60 सीटें उपलब्ध हैं। प्रवेश के लिए एडमिशन प्रक्रिया जारी है और इच्छुक विद्यार्थी 2 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। एडमिशन प्रवेश परीक्षा के आधार पर होगा।

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के कॉमर्स विभाग द्वारा संचालित बीकॉम चार वर्षीय पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाएगा। 12वीं पास विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम में एडमिशन लेकर करियर के नए आयाम पा सकते हैं। यह पाठ्यक्रम न केवल शैक्षणिक दृष्टिकोण से समृद्ध है, बल्कि छात्रों को आधुनिक व्यापारिक जगत की जरूरतों के अनुरूप तैयार कर रोजगार के नए अवसरों के द्वार भी खोलता है। कॉमर्स विभाग के अध्यक्ष प्रो राजपाल ने बताया कि यह पाठ्यक्रम नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दिशा-निर्देशों के अनुरूप तैयार किया गया है, जिसमें मल्टीपल एंट्री-एग्जिट विकल्प, कौशल विकास और शोध आधारित शिक्षा को प्राथमिकता दी गई है। चार वर्षों की इस डिग्री में छात्रों को लेखांकन, वित्त, कराधान, बैंकिंग, बीमा, ई-कॉमर्स, डेटा विश्लेषण और उद्यमिता जैसे विषयों की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में केवल डिग्री प्राप्त करना पर्याप्त नहीं है, छात्रों को व्यावसायिक रूप से दक्ष होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमारा नया बीकॉम कार्यक्रम छात्रों को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप तैयार करेगा, जिससे वे बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं, बीमा क्षेत्र, टैक्स कंसल्टेंसी, डेटा एनालिटिक्स और सरकारी सेवाओं में सफलतापूर्वक करियर बना सकें। इस पाठ्यक्रम में इंटर्नशिप, केस स्टडी, लाइव प्रोजेक्ट और सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनिंग को भी समाहित किया गया है, जिससे विद्यार्थी व्यवहारिक अनुभव प्राप्त कर सकें। इसके अतिरिक्त, डिजिटल टूल्स का उपयोग, वित्तीय साक्षरता और उद्यमिता विकास जैसे मॉड्यूल विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करेंगे।

सुनारिया में हुई महापंचायत में जय कुमार बने सतगांवां के नए प्रधान

- सतगांवां की पगड़ी का पूरी आन, बान और शान से सम्मान किया जाएगा : नवनियुक्त प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। गांव सुनारिया में हुई महापंचायत में मौजूद गणमान्य लोग।

महापंचायत में ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पूर्व पार्षद श्रीभगवान, वार्ड 22 के पार्षद लीलू पहलवान, पूर्व सरपंच पप्पू, कुलदीप बुधवार, धर्मवीर पहलवान (उपप्रधान सतगांवां), मनफूल नंबरदार, कलीराम, सुनील, बंटी, काला, अनिल वजीर, सत्यवान, प्रदीप टेकराम, योगेंद्र नंबरदार सहित अन्य गणमान्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

रोहतक। गांव सुनारिया स्थित सरकारी स्कूल में रविवार को एक विशाल महापंचायत का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लिया। यह पंचायत सतगांवां के नए प्रधान की नियुक्ति को लेकर आयोजित की गई थी। पंचायत से एक दिन पूर्व, शनिवार शाम को गांव में मुनादी करवाई गई थी, जिसके पश्चात रविवार को ग्रामीणों का भारी जमावड़ा हुआ। महापंचायत में गांव के बुजुर्गों ने पारंपरिक पगड़ी बांधकर जयकुमार बुधवार को सतगांवां का प्रधान नियुक्त किया, जो कि ग्रामीण परंपरा और सम्मान का प्रतीक है। इस मौके पर सुधीर बुधवार ने 51,000 रुपए की माला पहनाकर जयकुमार बुधवार का भव्य सम्मान किया। प्रधान नियुक्त होने पर जयकुमार बुधवार ने कहा, मैं सतगांवां की पगड़ी का पूरी आन, बान और शान से सम्मान करूंगा। इस पंचायत में आने वाले 11 गांवों में जाकर में सभी से आशीर्वाद और सरस्वती प्राप्त करूंगा। हमारा मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर करना, गांव में भाईचारा बनाए रखना और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना रहेगा। सभी कार्य गांव की सहमति से मिलजुल कर किए जाएंगे।

राज्यस्तरीय भगवान परशुराम जयंती की तैयारियां तेज

- वार्ड 20 के पार्षद प्रवीण कौशिक शुगर मिल कॉलोनी पहुंचे न्योता देने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

30 मई को रोहतक में राज्य स्तरीय भगवान परशुराम जयंती का आयोजन किया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री नायब सैनी बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। रविवार को वार्ड 20 से नगर निगम पार्षद शुगर मिल कॉलोनी पहुंचे, जहां निवासियों ने उनका स्वागत किया। पार्षद प्रवीण कौशिक ने कॉलोनी वासियों का धन्यवाद करते हुए न्योता पत्र सौंप पहरावर पहुंचने की अपील की। इस मौके पर पार्षद प्रवीण कौशिक, दरियाव सिंह, कुकू प्रधान, पंडित सज्जन, जितेंद्र भारद्वाज, सत्य प्रकाश उर्फ सत्तू, सूरजभान सैनी, पंडित सतीश, ललित भारद्वाज, सोनू दहिया, दयाल वर्मा, जसवंत, पंडित रामकरण, डॉ. दीपक, राजेश मास्टर, लक्ष्मी लोहार आदि मौजूद रहे।

इंदिरा कॉलोनी व रैनकपुरा की संडे पाठशाला स्किल डेवलपमेंट सेंटर में हुई तबदील

- डीएसपी डॉ. रविन्द्र सिंह एवं समृद्धि जैन ने किया स्किल डेवलपमेंट सेंटर का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। स्किल डेवलपमेंट सेंटर का उद्घाटन करते डीएसपी डॉ. रविन्द्र सिंह व समृद्धि जैन। फोटो : हरिभूमि

एमटीएफसी संस्था द्वारा पिछले 3 सालों से 7 अलग-अलग जगहों पर संडे पाठशाला चलाई रही है। इनमें से इंदिरा कॉलोनी एवं रैनकपुरा की संडे पाठशाला को स्किल डेवलपमेंट सेंटर में तबदील किया गया है। अब यहां बच्चे नियमित रूप से अपनी पढ़ाई करेंगे। सेंटर का

समय शाम 3 बजे से 7 बजे तक रहेगा। यह दोनों सेंटर एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन के पिता स्वर्गीय बिमल प्रसाद जैन एवं माता स्वर्गीय सुशीला देवी जैन के नाम पर बनवाए गए हैं। इस मौके पर डीएसपी डॉ. रविन्द्र सिंह का जन्मदिन भी बच्चों ने मनाया। मंच संचालन मीनाक्षी ढल ने किया। एमटीएफसी संस्था प्रधान नरेश ढल ने सभी का धन्यवाद किया। डीएसपी डॉ. रविन्द्र सिंह एवं समृद्धि जैन द्वारा बच्चों की शिक्षा को लेकर योजना तैयार की गई। इस अवसर पर लोकेश कौशिक, आशीष मित्तल, नरेश जैन, पुष्कल तायल, देवेंद्र शर्मा, राम अवतार शास्त्री, राजीव जैन, वंदना तायल, सुभाष गुप्ता, गोबिंद राम सिंघल, जगदीश वर्मा आदि उपस्थित रहे।

समाजसेवी अध्यापक प्रेम शर्मा को मातृशोक

रोहतक। समाजसेवा से जुड़े वरिष्ठ अध्यापक प्रेम शर्मा की माता किताबो देवी का शनिवार शाम निधन हो गया। वह 101 वर्ष की थीं और पिछले 6-7 महीनों से अस्वस्थ चल रही थीं। ग्राम समचाना निवासी किताबो देवी ने अपने जीवन का अंतिम समय ओमेक्स सिटी, रोहतक में अपने परिवार के साथ व्यतीत किया। उन्होंने शनिवार शाम अंतिम सांस ली, जिसके पश्चात रविवार को शीला बाईपास स्थित रामबाग में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

किताबों देवी।

किताबो देवी अपने पीछे दो पुत्र, छह पुत्रियां, पोते-पोतियां, पड़पोते-पड़पोतियां सहित एक भरा-पूरा परिवार छोड़कर गई हैं। अंतिम संस्कार में गांव व शहर के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थित होकर श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उनके निधन से पूरे शर्मा परिवार में शोक की लहर है।

रोहतक। मीटिंग के दौरान माता धनपति देवी ट्रस्ट के पदाधिकारी।

माता धनपति देवी ट्रस्ट के तीसरी बार प्रधान बने नरेश जैन, दी बधाई

- माता धनपति देवी ट्रस्ट का त्रीवार्षिक चुनाव चेयरमैन हरिप्रकाश गुप्ता अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

माता धनपति देवी ट्रस्ट का त्रीवार्षिक चुनाव चेयरमैन हरिप्रकाश गुप्ता अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, जिसमें सर्वसम्मति से संरक्षक स्वामी डॉ. परमानंद महाराज, बाबा कर्णपुरी महाराज व एलपीएस के डायरेक्टर राजेश जैन को चुना गया। वहीं प्रधान नरेश जैन, वरिष्ठ उपप्रधान गोविंद राम सिंघल, उपप्रधान प्रवीन बंसल, सुरेश तायल, जयभगवान मंगल, नवीन गुप्ता, सचिव अजेश गुप्ता, सहसचिव सुनील जैन, संगठन मंत्री दिनेश गर्ग, खजांची वेद प्रकाश साहनी, संयोजक पवन गोयल, चेयरमैन सलेक्शन कमेटी डीके जैन, मीडिया प्रवक्ता राजीव जैन, सदस्य सलेक्शन कमेटी सतीश लूथरा, तरूण गुप्ता, साहिल बंसल, अरूण विरमानी, कार्यकारिणी सदस्य संजय गुप्ता, बाल संस्कार समिति के चेयरमैन संजय चावला, सदस्य ओमप्रकाश विरमानी, तरूण गुप्ता, साहिल बंसल, गोविंद राम सिंघल, दिनेश गर्ग नियुक्त किए गए।

एपिलेप्सी सर्जरी पर डॉ पी शरत चंद्रा ने दिया नया दृष्टिकोण: कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विवि में आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि। फोटो : हरिभूमि

पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के न्यूरोलॉजी विभाग द्वारा प्रो. बी.सी. बंसल - उमा बंसल ओरेशन के तहत मिर्गी सर्जरी में नवीनतम इलाज - उभरते भारत के लिए एक आवश्यकता, विकल्प नहीं विषय पर चर्चा की गई। व्याख्यान देने के लिए एम्स नई दिल्ली के न्यूरो सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. पी. शरत चंद्रा उपस्थित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ कुलपति डॉ.एच.के. अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित करके किया।

इस अवसर पर उपस्थित चिकित्सकों को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ.एच.के. अग्रवाल ने कहा कि न्यूरोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेखा डाबला द्वारा मिर्गी सर्जरी में नवीनतम इलाज- उभरते भारत के लिए एक आवश्यकता, विकल्प नहीं बहुत अच्छे विषय पर यह ओरेशन आयोजित करवाया गया है।

उन्होंने कहा कि एम्स में डॉ चंद्रा के नेतृत्व में मिर्गी सर्जरी की जा रही है, जिसमें मरीजों को नए और प्रभावी उपचार विकल्प प्रदान किए जा रहे हैं। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि डॉ चंद्रा की टीम ने मिर्गी सर्जरी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और मरीजों के लिए नए और बेहतर उपचार विकल्प विकसित करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आज के इस व्याख्यान डॉ. पी शरत चंद्रा ने एपिलेप्सी सर्जरी पर नया दृष्टिकोण प्रदान किया है और संस्थान के चिकित्सकों का काफी ज्ञानवर्धन हुआ है, जिससे निश्चित रूप से संस्थान में आने वाले मरीजों को फायदा मिलेगा।

रोहतक। शिविर में मरीज की जांच करते डॉक्टर। फोटो : हरिभूमि

ताजा माजरा में रक्तदान व स्वास्थ्य जांच शिविर का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। नव युवा फाउंडेशन द्वारा गांव ताजा माजरा में रविवार को रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि गांव के सरपंच धर्मेंद्र रहे, जबकि जय भगवान, बलजीत, प्रदीप और दीपक मास्टर ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। स्वास्थ्य जांच शिविर में लगभग 200 ग्रामीणों की ब्लड प्रेशर, रैंडम ब्लड शुगर और सामान्य चिकित्सकीय परामर्श के माध्यम से जांच की गई। वहीं दूसरी ओर, रक्तदान शिविर में 100 से अधिक लोगों ने स्वेच्छा से भाग लेते हुए रक्तदान कर मानव सेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया। नव युवा फाउंडेशन के निदेशक समित पूनिया ने सभी अतिथियों और रक्तदाताओं स्वागत किया।

वैश्य कॉलेज के महाराजा अग्रसेन ऑडिटोरियम में प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम सुना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। वैश्य कॉलेज के महाराजा अग्रसेन ऑडिटोरियम में प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम मौजूद भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

वैश्य कॉलेज के महाराजा अग्रसेन ऑडिटोरियम में ऑपरेशन सिंदूर के बाद देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम 'मन की बात' के 122वें एपिसोड को टीम हरियाणा के कैबिनेट मंत्री महिपाल ढांडा और प्रदेश के महामंत्री (संगठन) फनींद्रनाथ शर्मा ने पूर्व सैनिकों और रोहतक वासियों के साथ सुना। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रणवीर सिंह ढाका ने की। पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर, जिला प्रभारी सतेंद्र परमार, प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय बंसल, प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल, प्रदेश सचिव रेणु डाबला, मन की बात के लोकसभा संयोजक अजय खुंडिया, मन की बात के जिला संयोजक राजकमल सहगल, मन की बात के जिला सह संयोजक दीपू नागपाल, राजबाला चहल, हरियाणा महिला आयोग की पूर्व चेयरपर्सन प्रतिभा सुमन, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नरेंद्र वत्स, नरेंद्र खट्टर, रमेश अत्री, वरिष्ठ नेता दिनेश गोयल , जिला उपाध्यक्ष वीर सिंह हुड्डा, जिला उपाध्यक्ष उदयभान मलिक , जिला महामंत्री सुखबीर चंदोलिया, आशा शर्मा, जिला उपाध्यक्ष पंकज छाबड़ा, जिला सचिव सतीश रोहिल्ला, जिला कोषाध्यक्ष एवं कार्यालय चार्ज अमित बंसल, अधिवक्ता वजीर खोखर, प्रदेश सोशल मीडिया सह प्रमुख सुनील राठौर, वरिष्ठ नेता पदम् ढूल, जिला सोशल मीडिया प्रमुख पंकज भारद्वाज, वरिष्ठ नेता नितिन जैन, कलानौर नगर पालिका के चेयरमैन प्रतिनिधि राजू फौजी ने मन की बात कार्यक्रम को सुना।

मौलिक अधिकारों और अन्य कानूनी पहलुओं पर किया जागरूक

ग्रामीणों को मौलिक अधिकारों की दी जानकारी

- बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के विधि संकाय द्वारा गांव गढ़ी बोहर में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। गांव गढ़ी बोहर में विधिक जागरूकता शिविर में बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के छात्र-छात्रा और शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

विधि संकाय के डीन ने कानूनों के बारे में बताया

विधि संकाय के डीन, डॉ. मनीष दलाल ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यवहारिक ज्ञान को तो बढ़ाते ही हैं, साथ ही समाज के वंचित वर्गों को भी अपने अधिकारों के प्रति सजग करते हैं। इस अवसर पर डॉ. राजरानी, डॉ. नेहा, डॉ. राहुल, डॉ. सोनिया, डॉ. विनती, आकाशदीप आदि मौजूद रहे।

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के विधिक सहायता क्लब द्वारा गांव गढ़ी बोहर में एक विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) एचएल वर्मा के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को भारतीय संविधान के अंतर्गत प्रदत्त मौलिक अधिकारों और अन्य कानूनी पहलुओं के प्रति जागरूक करना रहा। विधि संकाय के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई। कुलपति प्रो. (डॉ.) एचएल वर्मा एवं रजिस्ट्रार प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार ने विधिक सहायता क्लब द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए भविष्य में और अधिक गांवों तक पहुंचने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय समाज के उत्थान के लिए शिक्षा के साथ-साथ जन-जागरूकता कार्यक्रमों को भी प्राथमिकता दे रहा है। शिविर के संचालन में डॉ. प्रमिला और डॉ. हरविंदर, सहायक प्रोफेसर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि भारतीय संविधान के अंतर्गत जो मौलिक अधिकार निहित हैं, वे प्रत्येक नागरिक के सामाजिक, मानसिक और व्यक्तिगत विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ये अधिकार न्यायालयों के माध्यम से लागू किए जा सकते हैं और यह राज्य की मनमानी के विरुद्ध नागरिकों की रक्षा करते हैं। इसके अतिरिक्त, डॉ. सीमा देवी, भव्या, शुभम और हर्ष जैसे प्रतिभागियों ने भी ग्रामीणों को सरल भाषा में कानून की धाराओं, अधिकारों और विधिक प्रक्रिया से अवगत कराया। उन्होंने महिलाओं, बच्चों एवं वृद्धजनों के लिए बनाए गए विशेष कानूनी प्रावधानों पर भी प्रकाश डाला।

अरविंद पाल दहिया ने 1800 दिन तक लगातार दौड़ लगाई

रोहतक। बीएसएनएल के सहायक महाप्रबंधक एवं रोहतक रनर्स ग्रुप के धावक अरविंद पाल दहिया ने रविवार को छोटू राम स्टेडियम रोहतक में 5 किलोमीटर दौड़ लगाकर लगातार दौड़ने के 1800 दिन पूरे किए। उन्होंने लगातार दौड़ने की शुरुआत 20 जून 2020 से की थी और अभी तक वह लगातार प्रतिदिन बिना किसी अवकाश के दौड़ लगा रहे हैं । इन 1800 दिनों में उन्होंने कुल 17962 किलोमीटर की दौड़ लगाई। उन्होंने इस दौरान एक अल्ट्रामैरॉथन (50 किलोमीटर) ,14 फुल मैराथन (42.2 किलोमीटर) और 223 हाफ मैराथन (21.1 किलोमीटर) लगाई। सबसे कम 3 किलोमीटर की और अधिकतम 50 किलोमीटर प्रतिदिन की दौड़ लगाई। उल्लेखनीय बात यह है कि चाहे खराब मौसम हो या अन्य किसी भी प्रकार की रुकावट लेकिन वे नियमित तौर पर अपनी दौड़ जारी रखे हुए है। इस दौरान उन्होंने 5483 किलोमीटर साइक्लिंग ओर 3709 किलोमीटर वाकिंग भी की।

रोहतक। रनर्स ग्रुप के धावक अरविंद पाल दहिया।

जीवन राम बसेसर लाल पब्लिक स्कूल में लगाया गया स्वास्थ्य जांच शिविर

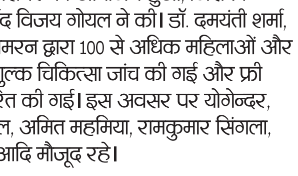

रोहतक। जीवन राम बसेसर लाल पब्लिक स्कूल जनता कॉलोनी मे निःशुल्क महिला स्वास्थ्य जांच शिवर का आयोजन हुआ, जिसकी अध्यक्षता पार्षद विजय गोयल ने की। डॉ. दमयंती शर्मा, कमलेश व सिमरन द्वारा 100 से अधिक महिलाओं और बच्चों की निःशुल्क चिकित्सा जांच की गई और फ्री दवाइयां वितरित की गई। इस अवसर पर योगेन्दर, कुलदीप मित्तल, अमित महमिया, रामकुमार सिंगला, गौरव बंसल आदि मौजूद रहे।

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
BAMS 6
PRO 5
RMO 5
नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

खबर संक्षेप

शिविर में 29 लोगों ने किया रक्तदान

रोहतक। देश भक्ति स्मारक स्थल अंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। राष्ट्र देवो भवः मिशन के संस्थापक संत बाबा सुखा शाह ने बताया कि शिविर स्वर्गीय राजा राम शर्मा की 25वीं पुण्यतिथि पर उनके पोते दिनेश शर्मा (दीपू) ने आयोजित करवाया। जिसमें 29 लोगों ने रक्तदान किया। पंकज ने 14वीं बार रक्तदान किया। बाबा सुखा शाह ने रक्तदाताओं को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सुभाष गोगिया, श्वेता, डॉ. लतेश, डॉ. तिलक, देवराज हुड्डा, राजेंदर मनचंदा आदि मौजूद रहे।

फर्जी फ्रेंचाइजी वेबसाइट बनाकर ठगी कर रहे

रोहतक। साइबर अपराधियों ने ठगी के नए तरीके अपनाते हुए अब बड़ी-बड़ी नामी कंपनियों की हूबहू फर्जी वेबसाइट तैयार कर लोगों को फ्रेंचाइजी देने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी शुरू कर दी है। ये अपराधी मैकडॉनल्ड्स, पतंजलि, डोमिनोज पिज्जा, बर्गर किंग, अपोलो, किया, बजाज, जेके टायर, जोकी, इंडियन ऑयल जैसी जानी-मानी कंपनियों की वेबसाइट की नक़ल कर फर्जी लिंक इंटरनेट पर अपलोड करते हैं। फर्जी वेबसाइट पर दिए गए मोबाइल नंबरों से कॉल कर लोगों को फ्रेंचाइजी का प्रलोभन दिया जाता है। ठग जल्द पैसा कमाने का लालच देकर कुछ लोगों को अपने गिरोह में भी शामिल कर लेते हैं, जिनसे वे बैंक खातों की जानकारी लेकर उसका दुरुपयोग करते हैं। इन फर्जी वेबसाइट्स में वास्तविक वेबसाइट में हल्का अंतर होता है, जिससे आमजन भ्रमित हो जाते हैं। कई ज्यादा मुनाफा के चक्कर में या नया बिजनेस शुरू करने की सोच में इन ठगों के जाल में फंस जाते हैं।

बकाया बिलों के समाधान के लिए सरचार्ज माफी योजना का उठाएं लाभ : उपायुक्त

फायदे का सौदा: 11 नवंबर तक मिलेगी राहत, मूल राशि का करें भुगतान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने बिजली बिलों के बकाया उपभोक्ताओं से आह्वान किया कि वह हरियाणा सरकार द्वारा बिजली के बकाया बिलों के समाधान के लिए शुरू की गई सरचार्ज माफी योजना-2025 का लाभ उठाए। यह योजना आगामी 11 नवंबर 2025 तक लागू रहेगी। इस योजना का लाभ शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सभी उपभोक्ता श्रेणियों के उपभोक्ता उठा सकते हैं, जिनके बिजली बिल 31 अगस्त 2024 तक बकाया थे तथा अब तक बकाया हैं। यह योजना कनेक्टिड और डिस्कनेक्टिड दोनों तरह के उपभोक्ताओं के लिए है। धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत शहरी तथा ग्रामीण घरेलू बिजली के कनेक्शन का अब तक का पूर्ण सरचार्ज फ्रीज कर दिया जाएगा तथा उन्हें केवल मूल राशि का भुगतान करना होगा। उपभोक्ता मूल राशि एकमुश्त या अगले 8 मासिक 4 द्विमासिक बिलों के साथ किस्तों में भी जमा करवा सकते हैं। एकमुश्त जमा करवाने पर उपभोक्ताओं को मूल राशि पर 10 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट दी जाएगी तथा पूरा सरचार्ज माफ कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि फ्रीज किया गया सरचार्ज निर्धारित किस्तों तथा आगामी 8 मासिक 4 द्विमासिक बिलों की लगातार अदायगी के बाद माफ कर दिया जाएगा। यदि उपभोक्ता निर्धारित किस्तें और आगामी 8 मासिक 4 द्विमासिक बिल लगातार जमा नहीं करवाता तो उसका फ्रीज किया गया सरचार्ज वापिस बिल में जोड़ दिया जाएगा और उपभोक्ता को स्कीम से बाहर समझा जाएगा।

■ औद्योगिक व अन्य श्रेणियों के उपभोक्ता भी योजना का लें फायदा

सरचार्ज को फ्रीज किया जाएगा

कृषि उपभोक्ता तीन बिलिंग साइकिल में भुगतान कर सकते है। सरचार्ज माफी योजना के तहत कृषि उपभोक्ताओं के लिए भी है। अधिसूचना जारी होने की तिथि से सरचार्ज को फ्रीज किया जाएगा। इस योजना में शामिल होने वाले उपभोक्ता लंबित मूल राशि तीन बिलिंग साइकिल में भुगतान कर सकते है। प्रत्येक चार महीने का एक बिलिंग साइकिल कृषि क्षेत्र के लिए होता है। यदि उपभोक्ता द्वारा एकमुश्त मूल राशि का भुगतान कर दिया जाता है, तो पूरा सरचार्ज माफ कर दिया जाएगा तथा मूल राशि पर 10 प्रतिशत छूट दी जाएगी। लगातार तीन मौजूदा बिल के भुगतान पर फ्रीज की गई सरचार्ज राशि किस्तों में माफ कर दी जाएगी।

डीसी धर्मेंद्र सिंह

बाक्स-- यह उपभोक्ता भी इसमें हो सकते है शामिल

सरचार्ज माफी योजना के तहत सरकारी विभाग, नगर निगम, ग्राम पंचायत, राज्य पब्लिक सेंटर अंडरटेकिंग इत्यादि से संबंधित उपभोक्ता भी इस योजना में शामिल हो सकते है। इसके लिए उपभोक्ताओं को लंबित मूल राशि का एकमुश्त भुगतान का विकल्प चुनना होगा तथा ऐसा करने पर सरचार्ज माफ कर दिया जाएगा।

यह भी ले सकते हैं लाभ

कोर्ट में लंबित केस वापस लेने पर ले सकते हैं लाभ

उपभोक्ताओं के बने गलत बिल विभाग के नियमों के अनुसार ठीक किए जाएंगे। ऐसे उपभोक्ता जिनका कोई केस न्यायालय में विचाराधीन है, वो उपभोक्ता भी इस योजना को अपना सकते हैं। बशर्ते उनको अपना केस न्यायालय से वापिस लेना पड़ेगा। कटे हुए बिजली कनेक्शनों के मामले में उपभोक्ता का कनेक्शन एकमुश्त राशि के भुगतान पर या मूल राशि की पहली किस्त के भुगतान पर कनेक्शन जोड़ दिया जाएगा, बशर्ते कि कटा हुआ कनेक्शन 6 महीने से पुराना न हो। छह माह से अधिक कटे हुए कनेक्शनों के मामले में आवेदक को नए कनेक्शन का आवेदन करना होगा। औद्योगिक एवं अन्य श्रेणियों के उपभोक्ताओं के लिए भी यह सरचार्ज माफी योजना है। योजना की अधिसूचना की तिथि को लंबित सरचार्ज फ्रीज किया जाएगा तथा योजना का लाभ उठाने के लिए ऐसे उपभोक्ताओं को लंबित मूल राशि व सरचार्ज का 50 प्रतिशत राशि एकमुश्त जमा करवानी होगी तथा शेष 50 प्रतिशत सरचार्ज राशि माफ कर दी जाएगी। यदि उपभोक्ता 6 लगातार बिलों में भुगतान करने में असमर्थ रहता है तो पूरा सरचार्ज बकाया बिल में जोड़ दिया जाएगा एवं उपभोक्ता को योजना से बाहर समझा जाएगा।

नाइट कैंप में पेटाइंस ने की खूब मस्ती

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

24 व 25 मई को पठानिया पब्लिक स्कूल में नाइट कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा तीन से कक्षा पांच तक के बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। जिसमें आर्ट एंड क्राफ्ट, स्वीमिंग, खूल-कूद, नृत्य, नाइट वॉक ट्रेज़र हंट आदि गतिविधियां आयोजित की गई। पोटरी के अन्तर्गत बच्चों ने फूलदान, दीपक, मटकियां एवं गुल्लक बनानी सीखी।

मोनिका राणा एवं दीपक ने बच्चों को विभिन्न प्रकार के नृत्य करवाए। पेटाइंस ने स्वीमिंग पूल में स्वीमिंग का आनन्द उठाया। खेलकूद गतिविधि के अन्तर्गत इन-आउट, टनल, पैराशूट, टग ऑफ वार आदि मनदीप, सुमित, इज़हार व मोनिका राजपूत के निर्देशन में किया गया। कनिका मल्होत्रा एवं प्रिया के निर्देशन में आर्ट एंड क्राफ्ट की गतिविधियां की गई, जिसमें बच्चों ने टाई व टियारा बनाना सीखा। बच्चों ने पौष्टिक एवं स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया। रात के समय टॉर्च के साथ ट्रेजर हंट करते हुए बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था।

वहीं बच्चों ने जुंबा, एरोबिक्स, मार्निंग वॉक तथा अन्य गतिविधियां की। बच्चों को प्रमाण पत्र बाटें गए। स्कूल निदेशक अंशुल पठानिया ने बताया कि नाइट कैम्प का उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। कैम्प बच्चों को सिर्फ पुस्तकों तक सीमित न रखकर जीवन के वास्तविक अनुभवों से जोड़ने में सहायक होते हैं।

यह रहे मौजूद

इस अवसर पर को-फाउण्डर वर्षा, प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया, उप-प्रधानाचार्या सुनीता मोर, मुख्याध्यापिका सुमन राठी व कोर्डिनेटर रजनी गुलाटी व एक्टिविटी इंचार्ज कोमल बुट्टन सहित अन्य उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने मानसरोवर पार्क का औचक निरीक्षण किया

रोहतक। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने रविवार को पार्कों का समुचित रखरखाव करने के निर्देश दिए हैं। स्थानीय मानसरोवर पार्क का औचक निरीक्षण करने के दौरान उन्होंने कहा कि पार्क हमारे जीवन में कई तरह से महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पार्क न केवल हमें शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने में मदद करते हैं, बल्कि हमारे पर्यावरण को भी संरक्षित करते हैं और हमारे समुदायों को बेहतर बनाते हैं। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने पार्क में आए लोगों के अलग-अलग समूह से बातचीत की। उनसे पार्कों की सुविधाओं बारे में फीडबैक प्राप्त की। मूलभूत सुविधाओं व जरूरतों बारे अधिकारियों को दिशा निर्देश जारी किए। धर्मेंद्र सिंह ने निर्देश देते हुए कहा कि पार्कों के अंदर कुत्तों का प्रवेश न होने दिया जाए। पार्क में स्थापित कैंटीन को चालू करने और खराब वाटर कूलर को हटाने के भी निर्देश उपायुक्त ने दिए। इस दौरान नगर निगम के एसडीओ शांत सुहाग, चीफ सेनेटरी इंस्पेक्टर जेई सुमित कुमार व वरुण मलिक आदि मौजूद रहे।

कैंप में तीस महिलाओं की जांच

रोहतक। आज आप और हम सोशल वेल्फेयर सोसाइटी के तत्वावधान में महिलाओं के लिए ब्रेस्ट कैंसर चैक अप / मैमोग्रफी स्क्रीनिंग लिए एलपीएस बोसार्ड की सहायता से निशुल्क कैंप लगाया। जिस में लगभग तीस महिलाओं का चैक अप हुआ। इस प्रयास के लिए डॉ अनीता नरूला चैरिटेबल ट्रस्ट व जूनियर श्री ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रोहतक में पाड़ा मौहल्ले के निवासियों को इसका लाभ प्राप्त हुआ। इस शिविर में शहर की जानी मानी हस्तियों ने शिरकत की और कार्यकर्त्ताओं की सराहना की। यह संस्था अब तक 200 निःशुल्क रक्त दान शिविर का आयोजन कर चुकी हैं। समाज कल्याण हेतु स्वास्थ्य की दिशा यह इनका नवीन प्रयोग है और इस प्रकार के अन्य योगदान प्रदान करने के लिए भी यह संस्था प्रतिबद्ध है।

कुश्ती हमारे संस्कारों से जुड़ा खेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

■ प्रदेश के पहलवान फिर दिलाएंगे ओलंपिक में मेडल : रमेश बोहर

कुश्ती हमारा पारंपरिक और सांस्कृतिक खेल है, जिसे प्रदेश के लोगों ने पीढ़ियों से संजोकर रखा है। रविवार को पलवल के नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में अंडर-17 नेशनल चैंपियनशिप 2025 के शुभारंभ के दौरान हरियाणा कुश्ती संघ के अध्यक्ष रमेश बोहर ने यह बात कहीं।

उन्होंने कहा कि हरियाणा के पहलवानों ने बीते वर्षों में कई बार ओलंपिक सहित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का नाम रोशन किया है और यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। आश्वासन दिया कि हरियाणा कुश्ती संघ और भारतीय कुश्ती संघ दोनों ही खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह वचनबद्ध हैं। खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं, प्रशिक्षण और मंच उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। इस अवसर पर चंडीगढ़ कुश्ती संघ के अध्यक्ष दर्शन लाल, भारतीय कुश्ती संघ के कोषाध्यक्ष एसपी देशवाल, दिल्ली कुश्ती संघ के अध्यक्ष और ओलंपियन जयप्रकाश पहलवान, पूर्व सरपंच सुरेंद्र पहलवान, जिला एडीसी, एसडीएम सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कुश्ती खेल के विकास को लेकर अहम विचार-विमर्श हुआ और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए योजनाएं साझा की गईं।

पहरावर में परशुराम जन्मोत्सव मनाया

रोहतक। कार्यक्रम को सम्बोधित करते नवीन जयहिन्द ।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

पहरावर भगवान परशुराम जन्मोत्सव मनाया गया। शहीदों के सम्मान में हवन–यज्ञ भी किया गया। नवीन जयहिन्द ने बताया कि मुख्यमंत्री 30 मई को आयोजित होने वाले कार्यक्रम में आएंगे। उन्हें गौड़ संस्था के चुनाव व डेवलपमेंट के लिए ग्रांट की घोषणा करनी चाहिए और लोगों की समस्याओं का समाधान करके जाएं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

प्रधानमंत्री की 'मन की बात' देश के लिए गर्व व प्रेरणा देने वाला कार्यक्रम: ढांडा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

वैश्य एजुकेशन सोसायटी द्वारा महाराजा अग्रसेन ऑडिटोरियम में मन की बात का सीधा प्रसारण आयोजित किया गया। यह भारतीय जनता पार्टी का प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम था। सभी लोगों ने ध्यानपूर्वक मोदी के विचारों को सुना, जिसमें उन्होंने राष्ट्र निर्माण, समाज सेवा और विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए भारतीय सेना के शौर्य का बखान किया। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में स्वदेशी उत्पादों पर भी जोर दिया, जिसमें स्वदेशी उत्पाद शहद और बुनकरों द्वारा बनाए जा रहे कपड़ों का जिक्र किया। ड्रोन दीदी कार्यक्रम का जिक्र करते हुए महिलाएं किस प्रकार खेती में अपना योगदान दे रही हैं उसका भी जिक्र किया। कार्यक्रम के बाद पूर्व सैनिकों का सम्मान किया गया। प्रदेश के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री देश के अंदर छुपी हुई प्रतिभा और नए उद्यमों का जिक्र करते हैं, यह देश के लिए गर्व व प्रेरणा देने वाला कार्यक्रम है। वैश्य एजुकेशन सोसायटी के पदाधिकारियों ने विचार व्यक्त किए।

रोहतक। मोदी के विचारों को सुनते शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, वैश्य एजुकेशन सोसायटी के पदाधिकारी व अन्य भाजपा के कार्यकर्ता। *फोटो : हरिभूमि*

जनता से सीधा संवाद स्थापित करने का सशक्त माध्यम

सोसायटी के सचिव राजेंद्र बंसल ने कहा कि आज 'मन की बात' के माध्यम से प्रधानमंत्री ने जिस प्रकार देश के कोने-कोने से प्रेरणादायक कहानियों और सफलताओं को साझा किया, वह वास्तव में हम सभी के लिए गर्व का विषय है। संस्था कोषाध्यक्ष डॉ. चंद्र गर्ग ने कहा कि मन की बात केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह जनता से सीधा संवाद स्थापित करने का एक सशक्त माध्यम है। प्रधानमंत्री द्वारा उठाए गए मुद्दे और उनके समाधान के सुझाव हमें समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का एहसास कराते हैं। हमें उनसे प्रेरणा लेकर अपने आसपास सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम संयोजक ईश्वर चंद्र गुप्ता ने कहा कि कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। यह हम सभी के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश है कि हम अपने देश की प्रगति में अपना योगदान दें। कार्यक्रम संयोजक शंकर लाल गर्ग ने कहा कि वैश्य एजुकेशन सोसायटी सदैव ऐसे प्रयासों का समर्थन करती रहेगी जो हमारे देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं। सभी लोगों ने कार्यक्रम की सराहना की और इसे एक प्रेरणादायक अनुभव बताया। इस अवसर पर कोलेजियम मेंबर शमशेर प्रकाश गोयल, विजय गुप्ता, भाजपा के कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में सेवानिवृत्ति सेना कर्मी, संस्था स्टाफ मौजूद रहे।

अनुबंधित असिस्टेंट प्रोफेसरों को सेवा सुरक्षा दिलाने के लिए मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

रोहतक। रविवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिलते हरियाणा यूनिवर्सिटी कंस्ट्रैक्ट टीचर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल।

रोहतक। हरियाणा की विभिन्न यूनिवर्सिटी में कार्यरत अनुबंधित असिस्टेंट प्रोफेसरों को स्थायी भर्ती प्रक्रिया के दौरान सेवा सुरक्षा दिलाने की मांग को लेकर हुकटा (हरियाणा यूनिवर्सिटी कंस्ट्रैक्ट टीचर्स एसोसिएशन) के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में मुलाकात की और उन्हें एक ज्ञापन सौंपा।प्रतिनिधिमंडल की ओर से मांग की गई कि जब तक अनुबंधित शिक्षकों को सेवा सुरक्षा प्रदान नहीं की जाती, तब तक नई स्थायी भर्तियों के दौरान अनुबंधित पदों को भरा हुआ माना जाए। इसके लिए सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को पत्र जारी करने के निर्देश सरकार द्वारा दिए जाएं। सीएम नायब सिंह सैनी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और उच्च अधिकारियों के साथ बैठक कर सकारात्मक सुझावों को सेवा सुरक्षा ड्राफ्ट में शामिल किया जाएगा। हुकटा के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. विजय मलिक और उपाध्यक्ष डॉ. शर्मिला यादव ने संयुक्त बयान में बताया कि महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय द्वारा 158 स्थायी पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाने से वर्षों से कार्यरत लगभग 65 अनुबंधित असिस्टेंट प्रोफेसर असुरक्षा की स्थिति में आ गए हैं। अगर जल्द सेवा सुरक्षा प्रदान नहीं की गई, तो आईजीयू मीरपुर रेवाड़ी जैसी स्थिति और अन्य विश्वविद्यालयों में भी उत्पन्न हो सकती है। मौके पर डॉ. रेखा, डॉ. मोनिका, डॉ. बीरबल कौशिक, डॉ. रवीश, डॉ. पुलकित, रेवाड़ी से कर्मवती यादव, डॉ. जोगिंदर, तथा बीपीएस महिला विश्वविद्यालय से डॉ. अमित मलिक मौजूद रहे।

दावा | बीएमयू शोधकर्ताओं की चौंकाने वाली रिपोर्ट

हिमालयी जल में भारी धातु प्रदूषण से बच्चों के स्वास्थ्य पर खतरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय (बीएमयू) के प्राणी विज्ञान विभाग के शोधकर्ताओं ने हाल ही में किए गए एक व्यापक अध्ययन में हिमालय क्षेत्र के जल स्रोतों में भारी धातुओं की गंभीर उपस्थिति को उजागर किया है।

यह अध्ययन जल की गुणवत्ता और उससे जुड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों पर गहरी चिंता जताता है, विशेष रूप से बच्चों के लिए उत्पन्न हो रहे गंभीर जोखिमों को रेखांकित करता है। यह शोध घरेलू और सिंचाई उपयोग के लिए हिमालयी जल गुणवत्ता की उपयुक्तताः एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण शीर्षक से एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। इसे बीएमयू की प्राणी विज्ञान विभाग की शोधार्थी रूबी और डिम्पल ने तैयार किया, जिनका मार्गदर्शन विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी निदेशक और प्राणी विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अरूप गिरी ने किया। इस अध्ययन में 2003 से 2024 के बीच प्रकाशित 274 वैज्ञानिक शोधों का व्यवस्थित विश्लेषण किया गया। शोध में पाया गया कि यद्यपि पिछले दो दशकों में जल गुणवत्ता में कुछ हद तक सुधार देखा गया है, फिर भी यह पानी आज भी घरेलू और कृषि उपयोग के लिए असुरक्षित बना हुआ है। विशेष रूप से भारी धातुओं जैसे आर्सेनिक, लेड, कैडमियम और मरकरी की उपस्थिति चिंता का विषय है। इस अध्ययन का सबसे चौंकाने वाला निष्कर्ष यह है कि भारत में बच्चों के लिए आर्सेनिक का हज़ार्ड इंडेक्स 28.82 पाया गया, जबकि इसकी सुरक्षित सीमा 1 मानी जाती है। यह आंकड़ा न केवल गंभीर स्वास्थ्य संकट की ओर इशारा करता है, बल्कि दीर्घकालिक न्यूरोलॉजिकल और फिजियोलॉजिकल प्रभावों का भी संकेत देता है, जैसे संज्ञानात्मक विकास में बाधा, हड्डियों की कमजोरी और कैंसर तक का खतरा।

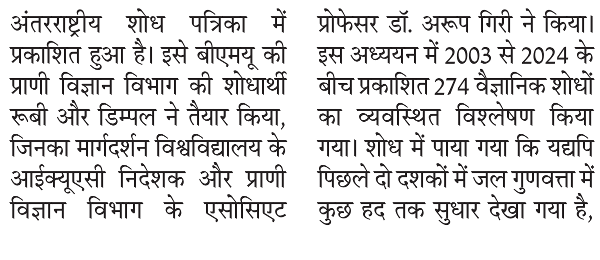

रोहतक। बीएमयू कुलपति प्रो. एच.एल. वर्मा को शोध पत्र प्रकाशित काफी दिखाते हुए शोधार्थी के साथ में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार, डीन अकादमिक अफेयर्स डॉ. नवीन कपिल, डीन डॉ. मनोज कुमार । *फोटो : हरिभूमि*

यह अध्ययन केवल एक वैज्ञानिक विश्लेषण नहीं : डॉ. अरूप गिरी

डॉ. अरूप गिरी के अनुसार यह अध्ययन केवल एक वैज्ञानिक विश्लेषण नहीं है, बल्कि यह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों विशेष रूप से स्वच्छ जल और स्वच्छता स्वास्थ्य और कल्याण और जिम्मेदार खपत और उत्पादन दिशा में एक ठोस हस्तक्षेप भी है।शोधकर्ताओं ने सुझाव दिया है कि हिमालयी जल स्रोतों की गुणवत्ता पर निरंतर निगरानी रखी जाए और इसके लिए क्षेत्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर कठोर नीतिगत हस्तक्षेप किए जाएं। साथ ही, जल प्रबंधन की सशक्त रणनीतियों, सख्त मानकों और स्थानीय समुदायों की भागीदारी को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। बीएमयू के कुलपति प्रो. एचएल वर्मा ने शोधकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि यह शोध कार्य हमारे विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक उत्कृष्टता, शोध समर्पण और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक है। जल सुरक्षा जैसे मुद्दों पर बीएमयू की सक्रिय भूमिका आने वाले समय में समाज को सकारात्मक दिशा दे सकती है। इस अध्ययन की प्रकाशना ऐसे समय में हुई है जब जलवायु परिवर्तन, अत्यधिक शहरीकरण और औद्योगिक अपशिष्टों के कारण जल संसाधनों पर अभूतपूर्व दबाव बना हुआ है। यह शोध केवल एक चेतावनी नहीं है, बल्कि यह जल संरक्षण और स्वच्छता के क्षेत्र में एक ठोस कार्ययोजना का प्रारूप भी प्रस्तुत करता है। शोधकर्ताओं को कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार, डीन अकादमिक अफेयर्स डॉ. नवीन कपिल, डीन डॉ. मनोज कुमार ने भी बधाई दी।